www.prepp.in

Prepp Your Personal Exams Guide

M-ESC-D-HNI

हिन्दी / HINDI

पेपर II / Paper II

(साहित्य) / (LITERATURE)

निर्धारित समय : तीन घंटे
Time Allowed : **Three** Hours

अधिकतम अंक : 25(
Maximum Marks : 25(

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं ।*

*परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं ती प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

*उत्तर **हिन्दी** (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएंगे ।*

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी च वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप काटा जाना चाहिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attemptin questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS.***

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to l attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

*Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page le blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. निम्नलिखित काव्यांशों की संदर्भ-सहित व्याख्या (लगभग 150 शब्दों में) प्रस्तुत करते हुए उनके काव्य-सौंदर्य का परिचय दीजिए : *10×5=50*

(a) स्याम मुख देखे ही परतीति ।
जो तुम कोटि जतन करि सिखवत जोग ध्यान की रीति ।।
नाहिंन कछू सयान ज्ञान में यह हम कैसे मानैं ।
कहौ कहा कहिए या नभ को कैसे उर में आनैं ।।
यह मन एक, एक वह मूरति भृंगकीट सम माने ।
सूर सपथ दै बूझत ऊधौ यह ब्रज लोग सयाने ।। *10*

(b) कहेहु तात अस मोर प्रनामा । सब प्रकार प्रभु पूरनकामा ।।
दीन दयाल बिरिदु संभारी । हरहु नाथ मम संकट भारी ।। *10*

(c) चेतना का सुंदर इतिहास अखिल मानव भावों का सत्य;
विश्व के हृदय-पटल पर दिव्य अक्षरों से अंकित हो नित्य
विधाता की कल्याणी सृष्टि सफल हो इस भूतल पर पूर्ण;
पटें सागर, बिखरें ग्रह-पुंज और ज्वालामुखियाँ हों चूर्ण । *10*

(d) बालहीना माता की पुकार कभी आती, और आता आर्त्तनाद पितृहीन बाल का;
आँख पड़ती है जहाँ, हाय वहीं देखता हूँ सेंदुर पुँछा हुआ सुहागिनी के भाल का;
बाहर से भाग कक्ष में जो छिपता हूँ कभी, तो भी सुनता हूँ अट्टहास क्रूर काल का;
और सोते-जागते में चौंक उठता हूँ, मानो शोणित पुकारता हो अर्जुन के लाल का । *10*

(e) शत घूर्णावर्त, तरंग भंग, उठते पहाड़
जल राशि-राशि जल पर चढ़ता खाता पछाड़
तोड़ता बंध-प्रतिसंध धरा, हो स्फीत वक्ष
दिग्विजय-अर्थ प्रतिपल समर्थ बढ़ता समक्ष । *10*

www.prepp.in
Prepp Your Personal Exams Guide

Q2. (a) 'भक्ति-आंदोलन का जन-साधारण पर जितना व्यापक प्रभाव हुआ, उतना किसी अन्य आंदोलन का नहीं' — इस कथन की सार्थकता पर विचार करते हुए कबीर की भूमिका पर प्रकाश डालिए । *20*

(b) 'पद्मावत' काव्य में वर्णित विरह-भावना विप्रलंभ शृंगार की सैद्धांतिक सीमाओं का किन-किन संदर्भों में उल्लंघन करती दिखाई देती है ? विश्लेषण कीजिए । *15*

(c) बिहारी की काव्यकला अपनी ध्वनिक्षम संभावनाओं के साथ-साथ रसाभिव्यक्ति में भी पूरी तरह से सक्षम है — तर्कसम्मत उत्तर प्रस्तुत कीजिए । *15*

Q3. (a) सिद्ध कीजिए कि 'असाध्य वीणा' सृजनात्मकता के रहस्य को उसकी समग्रता में अभिव्यक्त करती है । *20*

(b) वैश्वीकृत परिदृश्य में मुक्तिबोध की कविता का पुनर्पाठ प्रस्तुत कीजिए । *15*

(c) नागार्जुन की लोक-दृष्टि के आधारभूत तत्त्व कौन-कौन से हैं ? समीक्षा कीजिए । *15*

Q4. (a) भ्रमर गीत के माध्यम से सूरदास ने किस प्रकार अपनी गहन भक्ति-भावना और अप्रतिम काव्य-कला का परिचय दिया है ? विवेचन कीजिए । *20*

(b) युद्ध की विभीषिका को दिनकर ने अपने काव्य 'कुरुक्षेत्र' में किस प्रकार रेखांकित किया है ? समीक्षा कीजिए । *15*

(c) स्वतंत्रता-संग्राम के व्यापक परिप्रेक्ष्य में मैथिलीशरण गुप्त की 'भारत-भारती' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए । *15*

Prepp Your Personal Exam Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION B

Q5. निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ-सहित व्याख्या (लगभग 150 शब्दों में) कीजिए और उनका सौंदर्य प्रतिपादित कीजिए : *10×5=50*

(a) हाय ! भारत को आज क्या हो गया है ? क्या निस्संदेह परमेश्वर इससे ऐसा ही रूठा है ? हाय, क्या अब भारत के फिर वे दिन न आवेंगे ? हाय, यह वही भारत है, जो किसी समय सारी पृथ्वी का शिरोमणि गिना जाता था । *10*

(b) अधिकार-सुख कितना मादक और सारहीन है । अपने को नियामक और कर्ता समझने की बलवती स्पृहा उससे बेगार कराती है । उत्सवों में परिचारक और अस्त्रों में ढाल से भी अधिकार-लोलुप मनुष्य क्या अच्छे हैं ? *10*

(c) ठाकुर ठीक ही तो कहते हैं, जब हाथ में रुपए आ जाएँ, गाय ले लेना । तीस रुपए का कागद लिखने पर कहीं पचीस रुपए मिलेंगे और तीन-चार साल तक न दिए जाएँ, तो पूरे सौ हो जाएँगे । पहले का अनुभव यही बता रहा था कि कर्ज़ वह मेहमान है, जो एक बार आकर जाने का नाम नहीं लेता । *10*

(d) दारुण व्यथा और आघात से उसके जड़ मस्तिष्क में केवल एक ही बात स्पष्ट थी — वेश्या स्वतंत्र नारी है । परतंत्र होने के कारण उसके लिए कहीं शरण और स्थान नहीं । दासी होकर वह परतंत्र हो गई ? ... वह स्वतंत्र थी ही कब ? ... अपनी संतान को पा सकने की स्वतंत्रता के लिए ही उसने दासत्व स्वीकार किया । अपना शरीर बेचकर उसने इच्छा को स्वतंत्र रखना चाहा । परंतु स्वतंत्रता मिली कहाँ ? कुल-नारी के लिए स्वतंत्रता कहाँ है ? *10*

(e) मैं अनुभव करता हूँ कि यह ग्राम-प्रांतर मेरी वास्तविक भूमि है । मैं कई सूत्रों से इस भूमि के साथ जुड़ा हूँ । उन सूत्रों में तुम हो, यह आकाश और ये मेघ हैं, यहाँ की हरियाली, हरिणों के बच्चे, पशुपाल हैं । ... यहाँ से जाकर मैं अपनी भूमि से उखड़ जाऊँगा । *10*

Q6. (a) 'कविता क्या है' के आधार पर रामचंद्र शुक्ल की कविता संबंधी मूलभूत दृष्टि और उसकी सार्थकता पर विचार कीजिए । *20*

(b) प्रेमचंद ने हिन्दी में पहली बार गाँव और कृषक जीवन को अपने उपन्यास-लेखन का केंद्रीय विषय बनाया । 'गोदान' के माध्यम से प्रेमचंद की उक्त औपन्यासिक-दृष्टि की सांस्कृतिक समीक्षा प्रस्तुत कीजिए । *15*

(c) हिन्दी निबंध-साहित्य का विषयगत वैविध्य भारतीय संस्कृति की बहुविध विशेषताओं को कैसे शब्दबद्ध कर रहा है ? विवेचन कीजिए । *15*

www.prepp.in

Q7. (a) प्रवृत्तिगत दृष्टि से क्या नई कहानी पूर्ववर्ती कहानी की मात्र निरंतरता है या विच्छेद ? तर्क सम्मत उत्तर दीजिए । *20*

(b) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के त्रासदीय तत्त्वों का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए । *15*

(c) 'महाभोज' उपन्यास को क्या एक सशक्त राजनीतिक उपन्यास का दर्जा दिया जा सकता है ? उपन्यास में चित्रित पात्रों के आधार पर समीक्षा कीजिए । *15*

Q8. (a) 'मैला आँचल' में निहित सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक संक्रमण पर प्रकाश डालिए । *20*

(b) 'जयशंकर प्रसाद के नाटकों के स्त्री-पात्र सदैव श्रेष्ठ रहे हैं ।' इस कथन के आलोक में 'स्कंदगुप्त' में स्त्री-पात्र-परिकल्पना की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । *15*

(c) 'भारत दुर्दशा' का इच्छित आदर्श क्या है ? समीक्षात्मक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए । *15*

www.prepp.in
Your Personal Exams Guide